जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय
अर्थशास्त्र कार्यक्रम

प्रस्तावना :– वर्तमान समय में वैश्विक परिस्थितियाँ विश्व के सभी देशों को अत्यधिक प्रभावित कर रही है साथ ही साथ लोगों के आर्थिक और सामाजिक जीवन को भी प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर रही है। कुछ देश आर्थिक संकट का सामना कर रहें है, जबकि कुछ बड़ी अर्थव्यवस्थायें भी इसके आने वाले आर्थिक संकट की आहट अपने देश में महसूस कर रही है। उपरोक्त परिस्थितियों को देखते हुए यह अनिवार्य हो जाता है कि परास्नातक स्तर के छात्र/छात्राओं को न केवल आर्थिक सिद्वांतों का ज्ञान प्राप्त हों बल्कि वे विभिन्न आर्थिक नीतियों और सिद्वांतो का तुलनात्मक अध्ययन करके वैश्विक आर्थिक परिदृश्य की समझ विकसित कर सके। अर्थशास्त्र एक ऐसी विद्या है, जिसके बिना सरकारी या निजी किसी भी क्षेत्र में किसी भी योजना, परियोजना का प्रारूप तैयार करना तथा उसे अमलीजामा पहनाना सम्भव नहीं है। बात चाहें नीति आयोग के नीति निर्धारण की हो या फिर विश्व बैंक से सम्बन्धित योजनाओं की, अर्थशास्त्र के विशेषज्ञों के बिना किसी भी स्तर पर एक कदम भी आगे बढ़ा पाना सम्भव नहीं है। इतना ही नहीं किसी देश की मजबूती का आकलन उसकी अर्थव्यवस्था से आसानी से किया जा सकता है। किसी भी देश की अर्थव्यवस्था तभी मजबूत होंगी जब उस देश की आर्थिक नीतियां बेहतर ढंग से संचालित हो रही हो। यही वजह है कि भारत में अर्थशास्त्र विषय एक आकर्षक कैरियर का केन्द्र बिन्दु बना हुआ है।

वीजन एवं मिशन :– अर्थशास्त्र में परास्नातक करने के पश्चात विद्यार्थी वित्तीय शोध, बैंकिंग एवं वित्त, मार्केटिंग आदि क्षेत्रों में प्रयास कर सकते हैं। इतना ही नहीं अपितु कई प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे सिविल सर्विसेज, भारतीय सांख्यिकी सेवा आदि के साथ–साथ बदलते परिवेश में ज्यादा मांग आर्थिक विश्लेषकों, शोधकर्ताओं और परामर्शकर्ताओं की है। इसमें अर्थशास्त्र को पढ़ने वाला छात्र सैद्धांतिक और व्यावहारिक समस्याओं की एक विस्तृत श्रृंखला की मॉडलिंग और विश्लेषण तथा वास्तविक दुनिया की समझ और समस्या समाधान में सक्षम होगा।

उपरोक्त संदर्भ में यह पाठ्यक्रम परास्नातक करने वाले छात्रों के लिये बनाया गया है। इस पाठ्यक्रम का उददेश्य छात्रों के बीच आर्थिक सोच को विकसित करना है जो अर्थशास्त्र के सिद्वांतों का प्रयोग कर आर्थिक निर्णय ले सकें साथ ही इसका उद्देश्य लोगों के आर्थिक व्यवहारों के विषय में छात्रों में विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण विकसित करना है। इसके अलावा इसका उददेश्य छात्रों के मध्य सामाजिक, नैतिक एवं पर्यावरणीय उत्तरदायित्व की जागरूकता विकसित करना है।

कार्यक्रम का स्वरूप :– इस परास्नातक कार्यक्रम में 20 पाठ्यक्रम और एक इलेक्टिव पेपर जो दूसरे संकाय के छात्रों के लिए है, यह चार अधिसत्र (सेमेस्टर) में विभाजित हैं, अर्थात यह कार्यक्रम दो वर्षों का होगा जिसमें प्रत्येक अधिसत्र (सेमेस्टर) में पाचवाँ प्रश्न–पत्र पूर्व के चारों प्रश्न पत्रों को समाहित करते हुए सत्रीय कार्य/सेमिनार/सर्वेक्षण रिपोर्ट (प्रोजेक्ट)/मौखिकी से सम्बन्धित है। इस कार्यक्रम के अधिसत्र (सेमेस्टर) तृतीय और चतुर्थ का तीसरा और चौथा पाठ्यक्रम वैकल्पिक होगा, विद्यार्थी इनमें से किसी एक पाठ्यक्रम का चयन अपनी रूचि के अनुसार करेंगे। साथ ही अधिसत्र चतुर्थ में छात्रों को वैकल्पिक प्रश्न–पत्र के रूप में लघुशोध प्रबन्ध/परियोजना (प्रोजेक्ट) भी करना होगा। यह पाठ्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा प्रस्तावित परास्नातक स्तर पर सी0बी0सी0एस0 पैटर्न पर आधारित है।

अधिसत्र (सेमेस्टर) प्रथम

क्र0स0	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम नाम	अधिकतम अंक (100=75+25)	केडिट
1	ECO101	व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण	100	5
2	ECO102	भारतीय आर्थिक विचारो का इतिहास	100	5
3	ECO103	लोकवित्त के सिद्वांत	100	5
4	ECO104	वैश्विक आर्थिक मुद्दे	100	5
5	ECO105	प्रोजेक्ट (1)		4
6	ECO106	One Minor/Elective Paper from the any subject of other faculty	100	4
		Total :-	**500**	28

अधिसत्र (सेमेस्टर) द्वितीय

क्र0स0	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम नाम	अधिकतम अंक (100=75+25)	केडिट
1	ECO201	समष्टि आर्थिक विश्लेषण	100	5
2	ECO202	पाश्चात्य आर्थिक विचारों का इतिहास	100	5
3	ECO203	भारतीय लोकवित्त	100	5
4	ECO204	कृषि अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास	100	5
5	ECO205	प्रोजेक्ट (2)	100	4
		Total :-	**500**	24

अधिसत्र (सेमेस्टर) तृतीय

क्र0स0	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम नाम	अधिकतम अंक (100=75+25)	केडिट
1	ECO301	मौद्रिक अर्थशास्त्र	100	5
2	ECO302	अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्वान्त	100	5
3	ECO303	(वैकल्पिक) शोद्ध पद्धतियाँ / श्रम अर्थशास्त्र / यातायात का अर्थशास्त्र	100	5
4	ECO304	(वैकल्पिक) जनसंख्या का अर्थशास्त्र / गाँधी अर्थनीति / क्षेत्रीय विकास का अर्थशास्त्र	100	5
5	ECO305	प्रोजेक्ट (3)		4
		Total :-	**400**	24

अधिसत्र (सेमेस्टर) चतुर्थ

क्र0स0	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम नाम	अधिकतम अंक (100=75+25)	केडिट
1	ECO401	साधन कीमत सिद्वान्त एवं कल्याण का अर्थशास्त्र	100	5
2	ECO402	आर्थिक विकास के सिद्धांत	100	5
3	ECO403	(वैकल्पिक) सांख्यिकी / विकासशील देशों का अर्थशास्त्र / विपणन का अर्थशास्त्र	100	5
4	ECO404	औद्योगिक अर्थशास्त्र / पर्यावरण का अर्थशास्त्र / सहकारिता के सिद्धांत	100	5
5	ECO405	(वैकल्पिक) लघु शोध प्रबन्ध / पूर्व के चारो पाठ्यक्रम पर आधारित असाइनमेंट / कोर्स वर्क / सर्वेक्षण रिपोर्ट / प्रस्तुतीकरण / मौखिकी / प्रोजेक्ट (4)	100	4
		Total :-	**500**	24
		Grand Total :-	**1900**	100

नोट :–

- Students will choose one Minor/Elective Paper in I or II Semester from the Subject of other faculty.
- Total Credit : 28 + 24 + 24 + 24 = 100
- Total Marks : 500 + 500 + 400 + 500 = 1900
- Project work in each semester on the basis of continuous evaluation and monitory.

एम0ए0 अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) प्रथम

प्रश्न पत्र–प्रथम (व्यष्टि आर्थिक विश्लेषण)

वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को उपभोक्ता के व्यवहार के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को उत्पादन के पैमाने तथा उत्पादन फलन की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को बाजार तथा विभिन्न बाजारों में मूल्य निर्धारण की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को वितरण के सिद्धान्त एवं लाभ के सिद्धान्तों की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- मार्शल का उपभोक्ता व्यवहार का सिद्धान्त, समसीमान्त उपयोगिता नियम, तटस्थता वक्र विश्लेषण अर्थ, विशेषतायें एवं मान्यतायें, सीमांत प्रतिस्थापन दर, कीमत रेखा या बजट रेखा एवं स्ल्टसकी दृष्टिकोण, उपभोक्ता की बचत, उपभोक्ता के व्यवहार का प्रकट अधिमान सिद्धांत इसकी श्रेष्ठता एवं सीमायें।

इकाई द्वितीय :–

- उत्पादन का पैमाना, समउत्पाद रेखायें : अर्थ तथा विशेषतायें, उत्पादन साधन की सीमांत प्रतिस्थापन की दर, पैमाने का प्रतिफल, समोत्पाद रेखायें, ऋज रेखायें तथा उत्पादन की प्राविधिक सीमा, काब–डगलस उत्पादन फलन का प्रतिस्थापन की लोच।

इकाई तृतीय :–

- बाजार : अर्थ, प्रभावित करने वाले तत्व, आय वक्र एवं लागत वक्र, पूर्ण प्रतियोगिता एवं शुद्ध प्रतियोगिता में अन्तर तथा उद्योग एवं फर्म का साम्य, एकाधिकार में साम्य की स्थिति, अपूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकृत प्रतियोगिता में अन्तर तथा फर्म का साम्य, अल्पाधिकार में मूल्य निर्धारण संधि रहित व संधि सहित अल्पाधिकार, फर्म के उद्देश्य : वॉमल, मैरिस एवं विलियम्सन का मॉडल।

इकाई चतुर्थ :–

- वितरण का सिद्धान्त : वितरण का सीमांत उत्पादकता सिद्धान्त, लगान का सिद्धान्त, रिकार्डो का लगान सिद्धान्त, मान्यतायें, आलोचनायें, लगान का आधुनिक सिद्धान्त, आभासी लगान, मजदूरी : अर्थ, परिभाषा, मजदूरी के रहन–सहन सिद्धान्त, आलोचनायें, मजदूरी कोष का सिद्धान्त, मजदूरी का सीमान्त उत्पादकता सिद्धान्त, आलोचनायें, मजदूरी का आधुनिक सिद्धान्त या मांग–पूर्ति का सिद्धान्त, लाभ : अर्थ, लाभ का नव–प्रवर्तन का सिद्धान्त, आलोचनायें, हाले का जोखिम सहन का सिद्धान्त, नाईट का अनिश्चितता वहन का सिद्धान्त, लाभ का आधुनिक सिद्धान्त या मांग व पूर्ति का सिद्धान्त।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, चॉक और टॉक विधि, प्रस्तुतीकरण और सामूहिक चर्चा विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- उपभोक्ता के व्यवहार एवं बचत के बारे में जान सकेंगे।
- उत्पादन के पैमाने तथा उत्पादन फलन की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- बाजार की समस्या और विभिन्न बाजारों के मूल्य निर्धारण की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- वितरण के सिद्धान्त तथा मजदूरी, लगान, लाभ के सिद्धान्त को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- आहुजा, एच0एल0 (2017), उच्चतर आर्थिक सिद्धान्त, नई दिल्ली : एस0 चन्द पब्लिकेशन। (हिन्दी & अंग्रेजी)
- झिंगन, एम0एल0 (2016). व्यष्टि अर्थशास्त्र, नई दिल्ली : वृन्दा पब्लिकेशन प्रा0लि0।
- लाल, एस0एन0 (2017). व्यष्टि अर्थशास्त्र के सिद्धान्त, प्रयागराज : शुभम पब्लिकेशन।

एम0ए0 अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) प्रथम

प्रश्न पत्र–द्वितीय (भारतीय आर्थिक विचारों का इतिहास)

वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- इसके अध्ययन से विद्यार्थियों को प्राचीन आर्थिक विचारों से अवगत कराना।
- इसके अध्ययन से नौरोजी, रानाडे, गोपाल कृष्ण गोखले, रमेश चन्द्र दत्त के बारे में जानकारी प्राप्त करना।
- इसके माध्यम से गांधी, नेहरू, विनोबा भावे और मेहता के आर्थिक विचारों से अवगत कराना।
- इसके माध्यम से विद्यार्थियों को पं0 दीन दयाल उपाध्याय, चन्द्रशेखर और अमर्त्य सेन तथा अमिताभ बनर्जी के आर्थिक विचारों की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- प्राचीन भारतीय आर्थिक विचारक : कौटिल्य, मनु, शुक्र, भीष्म, विदुर के मुख्य आर्थिक विचार।

इकाई द्वितीय :–

- दादा भाई नौरोजी के आर्थिक विचार, महादेव गोविन्द रानाडे के आर्थिक विचार, गोपाल कृष्ण गोखले के आर्थिक विचार, रमेश चन्द्र दत्त के आर्थिक विचार।

इकाई तृतीय :–

- महात्मा गांधी के आर्थिक विचार : विकेन्द्रीयकरण, ट्रस्टीशिप, मशीन यंत्रीकरण श्रम तथा न्याय की प्रतिष्ठा, गांधी तथा समाजवाद, गांधी तथा साम्यवाद, गांधी के आर्थिक विचारों का प्रभाव, नेहरू के आर्थिक विचार : कृषि और भूमि सुधार, आर्थिक नियोजन, औद्योगीकरण, अर्थशास्त्र के उद्देश्य, नेहरू का समाजवाद विचार, नेहरू और गांधी के विचारों की तुलना, विनोबा भावे के आर्थिक विचार तथा जे0के0 मेहता के आर्थिक विचार।

इकाई चतुर्थ :–

- पं0 दीन दयाल उपाध्याय के आर्थिक विचार, चन्द्रशेखर के आर्थिक विचार, अमर्त्य सेन के आर्थिक विचार, अमिताभ बनर्जी के आर्थिक विचार।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, प्रश्नोत्तर विधि

अधिगम प्रतिफल :–

- प्राचीन भारतीय आर्थिक विचारकों को जान सकेंगे।
- दादा भाई नौरोजी, रानाडे, गोपाल कृष्ण गोखले तथा रमेश चंद्र दत्त के आर्थिक विचारों को जान सकेंगे।
- महात्मा गांधी, जवाहर लाल नेहरू, विनोबा भावे, जे0के0 मेहता के आर्थिक विचारों को जान सकेंगे।
- पं0 दीन दयाल उपाध्याय, चन्द्रशेखर, अमर्त्य सेन तथा अमिताभ बनर्जी के आर्थिक विचारों को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- वैश्य, एम0सी0 (2017). आर्थिक विचारों का इतिहास, नई दिल्ली : रतन प्रकाशन मंदिर।
- चतुर्वेदी, एम0सी0 (2016). आर्थिक चिंतन का इतिहास, आगरा : साहित्य भवन पब्लिकेशन।
- सिन्हा, वी0सी0 (2014). आर्थिक विचारों का इतिहास, आगरा : एस0बी0पी0डी0 पब्लिशिंग हाऊस।
- झिंगन, एम0एल0 (2015). हिस्ट्री ऑफ इकोनॉमिक्स थॉट, नई दिल्ली : वृन्दा पब्लिकेशन।

एम0ए0 अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) प्रथम

प्रश्न पत्र–तृतीय (लोकवित्त के सिद्धान्त)

वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को लोकवित्त के बारे में जानकारी देना।
- सार्वजनिक व्यय के बारे में जानकारी देना।
- सार्वजनिक आय के स्रोत तथा कर के बारे में जानकारी देना।
- सार्वजनिक ऋण और इसके प्रभाव की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- लोकवित्त की परिभाषा, विषय, प्रकृति तथा क्षेत्र, महत्व एवं सरकार की भूमिका, सार्वजनिक वित्त एवं निजी वित्त का अर्थ एवं इनमें अन्तर, अधिकतम सामाजिक कल्याण का सिद्धान्त, सार्वजनिक वस्तु, निजी वस्तु, मेरिट वस्तु की अवधारणा, सार्वजनिक बजट : प्रकार, शून्य आधारित बजट, निष्पादन बजट, लिंग आधारित बजट, बजटीय घाटे की अवधारणाएं : प्राथमिक घाटा, राजकोषीय घाटा, पूंजीगत घाटा, राजस्व घाटा।

इकाई द्वितीय :–

- सार्वजनिक व्यय का अर्थ, महत्व व सार्वजनिक व्यय के सिद्धांत : लाभ का सिद्धांत, मितव्ययिता का सिद्धांत, स्वीकृति का सिद्धांत, आधिक्य का सिद्धांत, अन्य सिद्धांत : लोच का सिद्धांत, उत्पादकता का सिद्धांत, समान वितरण का सिद्धान्त, समन्वय का सिद्धांत, वैगनर की बढ़ती हुई राजकीय क्रियाओं का सिद्धांत, पीकॉक वाइजमैन परिकल्पना सिद्धांत, सार्वजनिक व्यय का प्रभाव : सार्वजनिक व्यय का उत्पादन पर प्रभाव, वितरण पर प्रभाव, सार्वजनिक व्यय के अन्य प्रभाव, सार्वजनिक व्यय एवं निजी व्यय में अंतर।

इकाई तृतीय :–

- सार्वजनिक आय का अर्थ व महत्व, सार्वजनिक आय के स्रोत : कर–आय एवं गैर कर आय : कर का अर्थ, परिभाषा, विशेषताएं, उद्देश्य, प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर, कर का प्रभाव, करारोपण में न्याय की समस्या, करदेय योग्यता का सिद्धांत, करदान क्षमता : परिभाषा, महत्व, करदान क्षमता को निर्धारित करने वाले तत्व, कर विवर्तन का सिद्धांत, अर्थ, विशेषताएं।

इकाई चतुर्थ :–

- सार्वजनिक ऋण : महत्व, स्रोत, सार्वजनिक ऋण व निजी ऋण में अन्तर, सार्वजनिक ऋण का शोधन, सार्वजनिक ऋण का प्रभाव : उत्पादन पर प्रभाव, वितरण पर प्रभाव, व्यवसायिक क्रियाओं तथा रोजगार पर प्रभाव, सार्वजनिक ऋण का भार एवं भुगतान के तरीके।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, समूह चर्चा विधि और प्रोजेक्ट विधि

अधिगम प्रतिफल :–

- लोकवित इसकी प्रकृति, महत्व, सार्वजनिक, वस्तु, निजी वस्तु व मेरिट वस्तु की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- सार्वजनिक व्यय, इसका प्रभाव तथा सार्वजनिक व निजी व्यय में अंतर जान सकेंगे।
- सार्वजनिक आय इसका महत्व इसके स्रोत तथा करों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- सार्वजनिक ऋण, महत्व, स्रोत तथा इसके प्रभाव की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- पन्त, जे0सी0 (2016). लोक अर्थशास्त्र, आगरा : लक्ष्मी नरायण अग्रवाल पुस्तक प्रकाशन।
- भाटिया, एच0एल0 (2012). लोकवित्त, नई दिल्ली : विकास पब्लिशिंग हाऊस।
- मसग्रेव, आर0ए0 (2004). थियरी आफ पब्लिक फाइनेंस, नई दिल्ली : मैग्राहिल पब्लिकेशन।
- सिन्हा, वी0सी0 (2019). लोकवित्त, आगरा : एस0बी0पी0डी0 पब्लिकेशन हाऊस।
- हजेला, टी0एन0 (2013). राजस्व के सिद्धान्त, नई दिल्ली : एनी बुक्स पब्लिकेशन।

एम0ए0 अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) प्रथम
प्रश्न पत्र–चतुर्थ (वैश्विक आर्थिक मुद्दे)
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को वैश्विक असमानता, गरीबी, भूख व खाद्य सुरक्षा सम्बन्धी जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को आधुनिक आर्थिक संकट और समावेशी विकास, लैंगिक विकास से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को विश्व व्यापार, उदारीकरण, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, पर्यावरणीय वस्तुओं के मूल्य निर्धारण की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को सूचना व संचार तकनीकी की भूमिका और इसके प्रभाव की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- वैश्विक विकास के मुद्दे : असमानता, गरीबी का दुश्चक्र ' नर्कसे, मिर्डल और प्रेविस, भूख और खाद्य सुरक्षा, सहस्त्राब्दी (मिलेनियम) विकास के उद्देश्य, पर्यावरण : एक सार्वजनिक वस्तु के रूप में, पर्यावरण प्रदूषण और वैश्विक तापन, ऊर्जा संकट।

इकाई द्वितीय :–

- आधुनिक विश्व आर्थिक संकट, सम्पोषी विकास की समस्या और समावेशी विकास, संतुलित लैंगिक विकास के मुद्दे, कोस प्रमेय, बाजार विफलता।

इकाई तृतीय :–

- विश्व व्यापार उदारीकरण, आर्थिक उदारीकरण और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, लागत लाभ विश्लेषण और मुआवजा के मानदण्ड, पर्यावरणीय वस्तुओं का मूल्य निर्धारण।

इकाई चतुर्थ :–

- सूचना एवं संचार तकनीक की भूमिका, कोविड–19 और इसके सामाजिक एवं आर्थिक प्रभाव।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, प्रस्तुतीकरण विधि एवं समूह चर्चा विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- विश्व के विकास के मुद्दे, गरीबी, भूख, ऊर्जा संकट, पर्यावरण संकट के बारे में जान सकेंगे।
- आधुनिक विश्व, आर्थिक संकट, समावेशी तथा सम्पोषी विकास के बारे में जान सकेंगे।
- आर्थिक उदारीकरण और विश्व व्यापार उदारीकरण तथा पर्यावरणीय वस्तुओं का मूल्य निर्धारण कर सकेंगे।
- सूचना व संचार तकनीकी की भूमिका तथा कोविड–19 एवं इसके सामाजिक व आर्थिक प्रभाव को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- दत्त & सुन्दरम, (2020) भारतीय अर्थव्यवस्था।
- पुरी, के0 & मिश्रा, एस0के0, (2017), दिल्ली : हिमालया पब्लिकेशन।
- लाल, एस0एन0 & लाल एस0के0, (2017) भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रयागराज : शुभम पब्लिकेशन।

एम0ए0 अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) प्रथम

प्रश्न पत्र–पंचम

वर्ष 2022–24

(1) पूर्व के चारो पाठ्यक्रम पर आधारित असाइनमेंट / सेमिनार / सर्वेक्षण रिपोर्ट / प्रस्तुतीकरण / प्रोजेक्ट

एम0ए0 अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) द्वितीय

प्रश्न पत्र–प्रथम (समष्टि आर्थिक विश्लेषण)

वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को रोजगार के सिद्धान्त के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को उपभोग फलन एवं स्वायत तथा प्रेरित निवेश के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को ब्याज के विभिन्न सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को व्यापार चक्र तथा उसके सिद्धान्त से अवगत कराना।

इकाई प्रथम :–

- रोजगार का प्रतिष्ठित सिद्धान्त एवं आलोचनायें, 'से' का बाजार सिद्धान्त, आलोचनायें, परम्परावादी एवं कीन्सीयन सिद्धान्त या आय निर्धारण का समग्र–मांग व समग्र–पूर्ति का सिद्धान्त, समग्र–पूर्ति फलन, समग्र–मांग फलन, आलोचनायें, प्रभावपूर्ण मांग का सिद्धान्त, कीन्स का द्वि–क्षेत्रीय एवं त्रिक्षेत्रीय मॉडल में रोजगार का निर्धारण।

इकाई द्वितीय :–

- उपभोग फलन : कीन्स का उपभोग का मनोवैज्ञानिक नियम, आय उपभोग सम्बन्ध, सापेक्ष आय, निरपेक्ष आय, जीवनचक्र और आय, उपकल्पना, निवेश फलन : स्वायत व प्रेरित निवेश, गुणक, पूंजी का सीमांत उत्पादकता का सिद्धान्त, निवेश का निर्धारण, त्वरक सिद्धान्त।

इकाई तृतीय :–

- मुद्रा स्फीति : मुद्रा स्फीति की संरचनात्मक और मौद्रिक दृष्टिकोण : फिलिप्स वक्र विश्लेषण, अल्पकालिन और दीर्घकालीन फिलिप्स वक्र, स्फीतिक अन्तराल, मुद्रा अवस्फीति, मुद्रा संस्फीति, निस्पन्दन स्फीति (स्टेगफ्लेशन), मुद्रा संकुचन।

इकाई चतुर्थ :–

- आर्थिक उच्चावचन तथा व्यापार चक्र : व्यापार–चक्र का आशय, परिभाषाएं, विशेषतायें, अवस्थायें : व्यापार चक्र का मौद्रिक सिद्धान्त : हाट्रे का शुद्ध मौद्रिक सिद्धान्त, आलोचनायें, हेयक का मौद्रिक, अधिविनियोग सिद्धान्त, आलोचनायें, हिक्स का व्यापार–चक्र सिद्धान्त, आलोचनायें, काल्डोर का व्यापार–चक्र का सिद्धान्त, आलोचनायें, सैम्यूल्सन का व्यापार चक्र का सिद्धान्त, आलोचनायें, व्यापार चक्रों को रोकने का उपाय।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, चॉक और टॉक विधि, प्रस्तुतीकरण विधि एवं समूह चर्चा विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- रोजगार के विभिन्न सिद्धान्तों के बारे में जान सकेंगे।
- उपभोग फलन, निवेश फलन एवं गुणक तथा त्वरक सिद्धान्त को जान सकेंगे।
- मुद्रा स्फीति और इसके प्रकार को जान सकेंगे।
- व्यापार चक्र का आशय, अवस्थायें तथा इसके विभिन्न सिद्धान्तों को समझ सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- झिंगन, एम0एल0 (2016). मौद्रिक अर्थशास्त्र, नई दिल्ली : कोणार्क पब्लिशर्स।
- लाल, एस0एन0 & लाल एस0के0 (2020). मैक्रो इकोनामिक्स, प्रयागराज : शिव पब्लिशिंग हाऊस।
- सेठी, एम0एल0 (2018). मौद्रिक अर्थशास्त्र।
- सिन्हा, बी0सी0 (2021). मौद्रिक अर्थशास्त्र, आगरा : एस0बी0पी0डी0 पब्लिकेशन।

एम0ए0 अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) द्वितीय
प्रश्न पत्र–द्वितीय (पाश्चात्य आर्थिक विचारों का इतिहास)
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को पाश्चात्य आर्थिक विचारों की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के विचारों से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को नवपरम्परावादी अर्थशास्त्रियों के विचारों से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को आधुनिक आर्थिक विचारक, राष्ट्रवाद, समाजवाद से अवगत कराना।

इकाई प्रथम :–

- प्राचीन और मध्यकालीन आर्थिक विचारों का संक्षिप्त सर्वेक्षण, व्यापारवाद, प्रकृतिवाद, कैने की आर्थिक तालिका।

इकाई द्वितीय :–

- प्रतिष्ठित अर्थशास्त्र : एडम स्मिथ, डेविड रिकार्डो, टामस राबर्ट माल्थम, जॉन स्टुअर्ट मिल के आर्थिक विचार।

इकाई तृतीय :–

- नवपरम्परावादी अर्थशास्त्र : मार्शल, पीगू, जॉन मेनार्ड कीन्स, आस्ट्रियन सम्प्रदाय।

इकाई चतुर्थ :–

- आधुनिक आर्थिक विचारक, राष्ट्रवाद, संस्थावाद, समाजवादी, अर्थशास्त्र का दृष्टिकोण, कार्न मेंजर, वान वीजर, शुम्पीटर और जे0आर0 हिक्स।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि और प्रश्नोत्तर विधि

अधिगम प्रतिफल :–

- पाश्चात्य आर्थिक विचारकों तथा मध्यकालीन आर्थिक विचारकों के विचारों से अवगत हो सकेंगे।
- प्रतिष्ठित आर्थिक विचारकों के विचारों से अवगत हो सकेंगे।
- नवपरम्परावादी आर्थिक विचारकों और ऑस्ट्रियन सम्प्रदाय के विचारकों के विचारों से अवगत हो सकेंगे।
- आधुनिक आर्थिक विचारकों के विचारों को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- वैश्य, एम0सी0 (2017). आर्थिक विचारों का इतिहास, नई दिल्ली : रतन प्रकाशन मंदिर।
- चतुर्वेदी, एम0सी0 (2016). आर्थिक चिंतन का इतिहास, आगरा : साहित्य भवन पब्लिकेशन।
- सिन्हा, वी0सी0 (2014). आर्थिक विचारों का इतिहास, आगरा : एस0बी0पी0डी0 पब्लिशिंग हाऊस।
- झिंगन, एम0एल0 (2015). हिस्ट्री ऑफ इकोनॉमिक्स थॉट, नई दिल्ली : वृन्दा पब्लिकेशन।

एम0ए0 अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) द्वितीय
प्रश्न पत्र–तृतीय (भारतीय लोकवित्त)
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को राजकोषीय नीति और केन्द्र राज्य वित्तीय सम्बन्धों की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को भारतीय कर प्रणाली की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को भारत में लोकव्यय तथा लोकऋण की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को भारतीय बज़ट और इसके निर्माण के बारे में जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- राजकोषीय नीति : अर्थ, परिभाषा, परम्परागत एवं आधुनिक विचार तथा इसके निहितार्थ, भारतीय संघीय वित्त व्यवस्था के सिद्धांत, भारत में केन्द्र राज्य वित्तीय सम्बन्ध, भारत में असन्तुलन की समस्या, भारतीय वित्तीय आयोग, 15वां वित्त आयोग।

इकाई द्वितीय :–

- भारतीय कर प्रणाली की विशेषताएं, भारतीय कर प्रणाली के दोष, प्रमुख कर, भारत में केन्द्र एवं राज्य सरकारों के प्रमुख आय के स्रोत : आयकर, पूंजी लाभ कर,निगम कर, व्यय कर, अतिलाभ कर, मृत्यु कर, उपहार कर, सम्पत्तिकर, सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद, शुल्क, भू–राजस्व कर, कृषि आयकर, राज्य उत्पाद कर, बिक्री कर, अन्य कर, मूल्य वर्धित कर (वैट), वस्तु व सेवाकर (जी0एस0टी0)।

इकाई तृतीय :–

- भारत में लोकव्यय, सार्वजनिक ऋण, साधारण ऋण तथा सार्वजनिक ऋण का भार, सार्वजनिक ऋण का शोधन, घाटे की वित्त व्यवस्था या हीनार्थ प्रबंधन।

इकाई चतुर्थ :–

- भारतीय बजट, भारतीय संविधान में बजट प्रावधान, बजट निर्माण की प्रक्रिया, विभिन्न अवधारणाएँ, नीति आयोग, वर्तमान बजट।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, समूह चर्चा विधि और प्रश्नोत्तर विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- राजकोषीय नीति, इसके निहितार्थ तथा भारतीय संघीय वित्त व्यवस्था के सिद्धांत से अवगत हो सकेंगे।
- भारतीय कर प्रणाली एवं विभिन्न प्रकार के कर के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- भारत में लोक व्यय और लोक ऋण तथा इसके निहितार्थ को समझ सकेंगे।
- भारतीय बजट, इसके प्रावधान तथा वर्तमान बजट को समझ सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- भाटिया, एच0एल0 (1996), लोकवित्त, नई दिल्ली : विकास पब्लिकेशन हाऊस।
- सिन्हा, बी0सी0 (2020). लोकवित्त, आगरा : एस0बी0पी0डी0 पब्लिकेशन।
- सिंह, एस0के0 (2012). पब्लिक फाइनेन्स, नई दिल्ली : एस0 चन्द पब्लिकेशन।
- त्यागी, बी0पी0 (2008). लोकवित्त, मेरठ : जयप्रकाश नाथ एण्ड कम्पनी।

एम0ए0 अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) द्वितीय
प्रश्न पत्र–चतुर्थ (कृषि अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास)
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को कृषि अर्थशास्त्र के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को आर्थिक विकास में कृषि की भूमिका की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को कृषि साख तथा इसके वित्त के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था तथा इसकी चुनौतियों से अवगत कराना।

इकाई प्रथम :–

- कृषि अर्थशास्त्र : परिभाषा, विषय–वस्तु, कृषि एवं उद्योग की अन्तर्निर्भरता, भारत में भूमि सुधार : अर्थ, उद्देश्य, आवश्यकता तथा महत्व, हरित क्रांति : अर्थ, उपलब्धियां, कमियां एवं समस्यायें, कृषि में तकनीक का उपयोग, भारतीय कृषि में सहकारिता।

इकाई द्वितीय :–

- कृषि एवं आर्थिक विकास, भारत में कृषि विपणन व्यवस्था तथा कृषि विपणन कार्यों का मूल्यांकन, विलय योग्य अतिरेक तथा विपणन अतिरेक का विश्लेषण, नई कृषि नीति, कृषि आय।

इकाई तृतीय :–

- कृषि साख का अर्थ, आवश्यकता, कृषि वित्त के स्रोत : गैर–संस्थागत स्रोत, देशी बैंकर, अढ़तिया, रिश्तेदार, संस्थागत स्रोत–नाबार्ड, वाणिज्यिक बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक, भूमि विकास बैंक, सहकारी संस्थायें व इसकी समस्यायें, कृषि उत्पादन में जोखिम एवं अनिश्चितता, भारत में फसले एवं उनका प्रारूप, भारतीय कृषि में क्षेत्रीय विषमतायें।

इकाई चतुर्थ :–

- भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था की विशेषतायें व समस्यायें, भारत में ग्रामीण विकास के मुद्दे व चुनौतियां, ग्रामीण विकास में कृषि क्षेत्र की भूमिका, ग्रामीण विकास की रणनीतियां, भारतीय कृषि एवं विदेशी व्यापार, ग्रामीण क्षेत्र में पूंजी निर्माण, इसका अर्थ, प्रक्रिया, बचत, सम्पत्ति, साख ,भारत के महत्वपूर्ण कृषि निर्यात।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, व्यक्तिक अध्ययन विधि, समूह चर्चा विधि और सर्वेक्षण।

अधिगम प्रतिफल :–

- कृषि अर्थशास्त्र और उद्योग की अन्तर्निर्भरता तथा हरित क्रांति के बारे में जान सकेंगे।
- आर्थिक विकास में कृषि का योगदान, विपणन तथा नई कृषि नीति को समझ सकेंगे।
- कृषि साख तथा इसके स्रोत एवं कृषि विकास से सम्बन्धित बैंकों के बारे में जान सकेंगे।
- भारतीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था के बारे में जान सकेंगे तथा उनकी विकास में आने वाली चुनौतियों से अवगत हो सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- मिश्रा, एस0के0 & पूरी वी0के0 (2020), इंडियन इकोनॉमी, दिल्ली : हिमालय पब्लिशिंग हाऊस। (हिंदी & अंग्रेजी)
- सिंह, आर0 (2020–21). इंडियन इकोनॉमी, चेन्नई : एम0सी0 ग्रैव हिल इण्डिया। (हिंदी & अंग्रेजी)
- लाल, एस0एन0 (2020). भारतीय अर्थव्यवस्था, प्रयागराज : शिवम पब्लिशिंग हाऊस।
- दत्ता, आर0 & सुन्दरम के0पी0एम0 (2010). इंडियन इकोनॉमी, दिल्ली : एस चन्द पब्लिशिंग। (हिंदी & अंग्रेजी)

एम0ए0 अर्थशास्त्र प्रथम वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) द्वितीय

प्रश्न पत्र–पंचम

वर्ष 2022–24

पूर्व के चारो पाठ्यक्रम पर आधारित असाइनमेंट / सेमिनार / सर्वेक्षण रिपोर्ट / प्रस्तुतीकरण / प्रोजेक्ट (2)

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) तृतीय

प्रश्न पत्र–प्रथम (मौद्रिक अर्थशास्त्र)

वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को मुद्रा के मूल्य (क्रय शक्ति) के बारे में अवगत कराना।
- विभिन्न अर्थशास्त्रियों के सिद्धान्तों (मुद्रा) से अवगत कराना।
- केन्द्रीय बैंक का अर्थ, आवश्यकता तथा महत्व से अवगत कराना।
- गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थान तथा मुद्रा की आपूर्ति की अवधारणा से अवगत कराना।

इकाई प्रथम :–

- मुद्रा का मूल्य : अवधारणा, माप, निर्धारण, फीशर का परिमाण सिद्धान्त, मान्यतायें, आलोचनायें, कैम्ब्रिज समीकरण, मार्शल का समीकरण, पीगु का समीकरण, कीन्स का वास्तविक शेष समीकरण, कैम्ब्रिज समीकरण की आलोचनायें, कीन्स का मूल समीकरण, इसकी विशेषतायें, आलोचनायें, बचत विनियोग सम्बन्धी सामान्य सिद्धान्त, इसके प्रमुख तत्व, बचत एवं विनियोग के बीच असंतुलन, इसके गुण, आलोचनाएं।

इकाई द्वितीय :–

- डान पैन्टिकन का सिद्धान्त, मान्यतायें, आलोचनायें, मिल्टन फ्रीडमैन का परिमाण सिद्धान्त, प्रमुख तत्व, मान्यतायें, आलोचनायें, टाबिन का पोर्टफोलियो बैलेन्स सिद्धान्त।

इकाई तृतीय :–

- मुद्रा की आपूर्ति : मुद्रा आपूर्ति की अवधारणा, मुद्रा आपूर्ति के घटक, उच्च शक्ति मुद्रा, मुद्रा गुणक, तरलता अवधारणा, गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थान एवं इसके कार्य, दोष, पूंजी बाजार और उसका विनिमयन।

इकाई चतुर्थ :–

- केन्द्रीय बैंक : अर्थ, परिभाषा–कार्य विशेष के महत्व के आधार पर, कार्य की प्रवृत्ति के आधार पर, विस्तृत कार्य विवरण के आधार पर, केन्द्रीय बैंक की आवश्यकता, केन्द्रीय और व्यापारिक बैंक में अन्तर, केन्द्रीय बैंक के कार्य, केन्द्रीय बैंक की साख नियंत्रण की विधि, वाणिज्यिक बैंक तथा इसके साख सृजन की विधियां एवं सीमायें, मुद्रा गुणक, मौद्रिक नीति और उसके उपकरण, उद्देश्य, भुगतान संतुलन एवं विनिमय स्थिरता, मूल्य स्थिरता।

शक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, चॉक और टॉक विधि, समूह चर्चा विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- मुद्रा के मूल्य (क्रय–शक्ति) की माप तथा इसके परिमाण सिद्धान्त की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- मुद्रा मूल्य के डॉन पेन्टिकन के सिद्धान्त की व्याख्या करने में सक्षम हो सकेंगे।
- मुद्रा की आपूर्ति और इसके घटक तथा गैर–बैंकिंग वित्तीय संस्थानों के बारे में जान सकेंगे।
- केन्द्रीय बैंक तथा इसके कार्य और महत्व को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- सिन्हा, बी0सी0 (2019). मौद्रिक अर्थव्यवस्था, आगरा : एस0बी0पी0डी0 पब्लिकेशन।
- झिंगन, एम0एल0 (2016). मौद्रिक अर्थशास्त्र, दिल्ली : वृन्दा पब्लिकेशन प्रा0लि0।
- सेठ, एम0एल0 (2015). मौद्रिक अर्थव्यवस्था, आगरा : लक्ष्मी नरायण अग्रवाल पब्लिकेशन।

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) तृतीय
प्रश्न पत्र–द्वितीय (अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त)
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रतिष्ठित सिद्धान्तों के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को नवीन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धान्त, व्यापार की शर्त, प्रशुल्क के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को भुगतान संतुलन की संरचना, विनिमय दर के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों के बारे में जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का प्रतिष्ठित सिद्धान्त : एडम स्मिथ का निरपेक्ष लागत का सिद्धान्त, रिकार्डो का तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त, मिल और मार्शल का प्रस्ताव, हैबरलर का अवसर लागत सिद्धान्त, हैक्शचर ओहलिन प्रमेय, लियोन्टीफ विरोधाभास।

इकाई द्वितीय :–

- नवीन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का सिद्धान्त, क्रेबिल लिण्डर एवं पोसनर कर सिद्धान्त, व्यापार की शर्त, व्यापार गुणक, प्रशुल्क और प्रशुल्क के आंशिक व सामान्य प्रभाव, गैर प्रशुल्क, कोटा, कोटा का आर्थिक व सामान्य प्रभाव, इनके अवरोधक, राशि पातन।

इकाई तृतीय :–

- भुगतान संतुलन : संरचना, साम्यावस्था और असाम्यावस्था और समायोजन की क्रिया विधियां, भुगतान शेष विधि और अवशोषण विधि (सिडनी, अलेक्जेंडर) विनिमय दर : संकल्पनाएं, मौद्रिक प्रभावी विनिमय दर तथा वास्तविक प्रभावी विनिमय दर और सिद्धान्त, द्वैत शक्ति समता सिद्धान्त, टकसाली समता सिद्धान्त, विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार और विदेशी मुद्रा की मांग–पूर्ति : हैजिंग और आर्बिटेज सिद्धान्त।

इकाई चतुर्थ :–

- ब्रेटेन बुड समझौता, अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व बैंक, गैट, विश्व व्यापार संगठन, व्यापारिक नीति सम्बन्धी मुद्दे।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, प्रस्तुतीकरण विधि, समूह चर्चा विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- विभिन्न प्रतिष्ठित अर्थशास्त्रियों के सिद्धान्तों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- नवीन अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार सिद्धान्त, व्यापार की शर्त, व्यापार गुणक, प्रशुल्क के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- भुगतान संतुलन की संरचना, विनिमय दर तथा विदेशी मुद्रा की मांग–पूर्ति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों व इनकी व्यापारिक नीति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- झिंगन, एम0एल0 (2019). अंतर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, दिल्ली : वृन्दा पब्लिकेशन प्रा0लि0।
- सिंह, एस0 & वैश्य (2019). अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, आगरा : एस0बी0पी0डी0 पब्लिकेशन।
- सिन्हा, बी0सी0 (2018). अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र, आगरा : एस0बी0पी0डी0 पब्लिकेशन।
- मन्नुर, एच0जी0 (2018). इन्टरनेशनल इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली : विकास पब्लिकेशन हाऊस प्रा0लि0।

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) तृतीय

प्रश्न पत्र–तृतीय (वैकल्पिक) शोध पद्धतियाँ

वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- छात्रों को शोध/अनुसंधान की विस्तृत जानकारी देना।
- छात्रों को परिकल्पना, निरीक्षण, साक्षात्कार, की जानकारी देना।
- छात्रों को शोध अभिकल्प के विषय में जानकारी देना।
- छात्रों को निदर्शन के विभिन्न प्रकारों के विषय में जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- अनुसंधान का अर्थ, परिभाषा, स्वरूप, अनुसंधान की सामान्य प्रकृति, अनुसंधान के पद एवं प्रकार, मनोवैज्ञानिक अनुसंधान का क्षेत्र एवं प्राथमिकताएं, सामाजिक अनुसंधान, अनुसंधान की आवश्यकता एवं महत्व, क्षेत्र अध्ययन क्या है? सर्वेक्षण अध्ययन एवं क्षेत्र अध्ययन में अन्तर, क्षेत्र अध्ययन के गुण व दोष।

इकाई द्वितीय :–

- परिकल्पना : परिभाषा, स्रोत, उचित परिकल्पना के निर्माण में कठिनाइयाँ, परिकल्पना के कार्य, अच्छी परिकल्पना के आवश्यक गुण, परिकल्ना के प्रकार।
- **शोध प्ररचनायें (अभिकल्प) (Designs)** :– शोध प्ररचना का अर्थ, शोध प्रस्ताव के प्रकार, अन्वेषणात्मक अथवा निरूपणात्मक शोध प्ररचना, वर्णनात्मक, निदानात्मक, परीक्षणात्मक, अभिकल्प के उद्देश्य।
- **निरीक्षण (Observation)** :– अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें, निरीक्षण के प्रकार, महत्व, सीमायें।
- **साक्षात्कार (Interview)** :– अर्थ, परिभाषा, विशेषतायें, साक्षात्कार के उद्देश्य, साक्षात्कार के प्रकार, महत्व, सीमायें।

इकाई तृतीय :–

- **अनुसूची (Schedule)** :– परिभाषा, उद्देश्य, विशेषतायें, प्रकार, अनुसूची की उपयोगिता, सीमायें, दोष दूर करने के उपाय।
- **प्रश्नावली (Questionnaire)** :– अर्थ, परिभाषा, प्रकार, विशेषतायें, महत्व, गुण, सीमायें, प्रश्नावली की विश्वसनीयता की जांच।
- **वैयक्तिक अध्ययन (Case Study)** :– अर्थ व परिभाषा, विशेषतायें, सीमायें, महत्व।

इकाई चतुर्थ :–

- **निदर्शन (Sampling)** :– अर्थ, निदर्शन, प्रविधि, प्रकार, विशेषतायें, दोष।
- वर्गीकरण (Classification) तथा सारणीयन (Tabulation)

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, चॉक और टॉक विधि, व्यक्तिक अध्ययन विधि और प्रश्नोत्तर विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- विद्यार्थी अनुसंधान के अर्थ, प्रकृति, क्षेत्र से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी परिकल्पना, शोध अभिकल्प, निरीक्षण तथा साक्षात्कार के अर्थ, परिभाषा, निर्माण, स्रोत और उसके प्रकार को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी अनुसूची, प्रश्नावली और व्यक्तिक अध्ययन की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी निदर्शन का अर्थ, प्रविधि, प्रकार, विशेषतायें तथा वर्गीकरण और सारणीयन को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- कपिल, एच0के0 (2019), अनुसंधान विधियां, आगरा : एच0पी0 भार्गव बुक हाऊस।
- कोठारी, सी0आर0 (2019), रिसर्च मेथोडोलॉजी, नई दिल्ली : न्यू एज इण्टरनेशनल पब्लिकेशन।
- गुप्ता, एस0पी0 (2020). अनुसंधान संदर्शिका, प्रयागराज : शारदा पुस्तक भवन पब्लिशर्स।
- राय, पी0एन0 (2017). अनुसंधान परिचय, आगरा : लक्ष्मी नरायण अग्रवाल पुस्तक प्रकाशन।

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) तृतीय
प्रश्न पत्र–तृतीय (वैकल्पिक) श्रम अर्थशास्त्र
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- श्रम अर्थशास्त्र तथा विकासशील अर्थव्यवस्था में इनकी समस्याओं से अवगत कराना।
- श्रम बाजार की विशेषता तथा गतिमान की जानकारी देना।
- मजदूरी निर्धारण के सिद्धान्तों की जानकारी देना।
- मजदूरी भुगतान की पद्धतियों की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- श्रम अर्थशास्त्र का आशय, परिभाषा, क्षेत्र तथा महत्व, विकासशील अर्थव्यवस्था में श्रम समस्यायें, भारत में श्रम का ऐतिहासिक विश्लेषण, भारतीय श्रम की विशेषताएं, प्रवासीय, श्रम परिवर्तन आदि। कार्यक्षमता एवं उत्पादकता : अवधारण एवं निर्धारक तत्व।

इकाई द्वितीय :–

- श्रम बाजार : भारत जैसे विकासशील देशों में श्रम बाजार की प्रकृति एवं विशेषताएं, श्रम बाजार विश्लेषण के प्रतिमान : प्रतिष्ठित, नव प्रतिष्ठित एवं द्वैध अर्थव्यवस्था, निवेश के आकार एवं प्रतिमान के सम्बन्ध में श्रम की मांग, श्रमि शक्ति के वृद्धि के सम्बन्ध में श्रम की आपूर्ति।

इकाई तृतीय :–

- मजदूरी निर्धारण के सिद्धांत : प्रतिष्ठित, नव प्रतिष्ठित, सीमांत उत्पादकता एवं आधुनिक सिद्धांत, सामूहिक सौदाबाजारी एवं मजदूरी सिद्धांत।

इकाई चतुर्थ :–

- मजदूरी भुगतान की पद्धतियाँ : प्रोत्साहन मजदूरी भुगतान, न्यूनतम मजदूरी, उचित मजदूरी, जीवन–निर्वाह मजदूरी, मजदूरी अंतर एवं मजदूरी विनिमयन, बोनस प्रवाल एवं लाभ अंशभागिनी, मजदूरी नीति।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, चाक और टॉक विधि, समूह चर्चा विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- विद्यार्थी श्रम अर्थशास्त्र तथा इसकी समस्यायें और समाधान से अवगत हो सकेंगे।
- विद्यार्थी श्रम बाजार तथा इसके विभिन्न प्रतिभागों को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी मजदूरी निर्धारण के सिद्धान्तों को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी मजदूरी भुगतान की पद्धतियों से अवगत हो सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- सिन्हा, वी0सी0 (1986) : श्रम अर्थशास्त्र, नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाऊस।
- सिन्हा, वी0सी0 एवं सिन्हा पी0 (2017) : श्रम अर्थशास्त्र, मयूर पब्लिकेशन, गाजियाबाद।
- गुप्ता, पी0के0 (2012) : श्रम अर्थशास्त्र, वृन्दा पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- सिंह, डी0 (2018) : श्रम अर्थशास्त्र, विशात पब्लिशिंग कम्पनी, नई दिल्ली।
- जोशी एम0बी0 (2017) : लेबर इकोनामिक्स एण्ड लेबर प्रॉब्लम, अटलांटिक पब्लिशर्स, नई दिल्ली।
- पियरे, सी0 (2015) : लेबर इकोनामिक्स, पी0एच0–1 लर्निंग प्रा0लि0, नई दिल्ली।
- त्यागी, पी0 एण्ड सी0 एच0पी0 (2017) : लेबर इकोनामिक्स एण्ड सोशल वेलफेयर, जय प्रकाश नाथ पब्लिशर्स, मेरठ।

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) तृतीय
प्रश्न पत्र–चतुर्थ (वैकल्पिक) जनसंख्या का अर्थशास्त्र
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को मानवीय संसाधन का अर्थ, प्रभावित करने वाले तत्व तथा समस्याओं की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को जनसंख्या अनुपात, लिंग अनुपात के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को जनसंख्या से सम्बन्धित विभिन्न सिद्धान्तों से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- मानवीय संसाधन विकास की अवधारणा : अर्थ, महत्व एवं प्रभावित करने वाले तत्व, समस्यायें, प्रवास, जनसंख्या की संकल्पनायें और मापन, प्रजननीयता, मृत्यु दर।

इकाई द्वितीय :–

- जनसंख्या सम्बन्धी उपकरण, जनांकिकीय अनुपात, लिंग अनुपात, साक्षरता अनुपात, शिशु–स्त्री अनुपात, आयु–संरचना, जनसंख्या घनत्व व प्रकार, जनसंख्या पिरामिड, जनांकिकी लाभांश, जनसंख्या विस्फोट।

इकाई तृतीय :–

- माल्थस का जनसंख्या सिद्धांत एवं नव–माल्थस विचार, जनसंख्या का अनुकूलतम सिद्धान्त, जनसंख्या परिवर्तनशीलता का सिद्धान्त, जनसंख्या संक्रमण सिद्धान्त, ब्लेकर नोस्टीन एवं थोम्पसन के विचार, सैडलर का घनत्व सिद्धान्त, डबल डे का आहार सिद्धान्त, जनसंख्या का सामाजिक एवं आर्थिक सिद्धान्त, कार्ल हुबर का सिद्धान्त, लेविन्सटीन का आर्थिक सिद्धान्त।

इकाई चतुर्थ :–

- जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास : अर्थ, प्रो0 कोल एवं हूबर के विचार, आर्थिक विकास का जनसंख्या वृद्धि पर प्रभाव, जनसंख्या वृद्धि का आर्थिक विकास पर प्रभाव, जनसंख्या प्रक्षेपण, जीवन सारिणी, नई जनसंख्या नीति।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, प्रस्तुतीकरण विधि, समूह चर्चा विधि, सर्वेक्षण विधि और व्यक्तिक अध्ययन विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- मानवीय संसाधन विकास की अवधारणा, प्रवास, प्रजननीयता से अवगत हो सकेंगे।
- जनांकिकीय अनुपात, साक्षरता अनुपात, जनांकिकीय लाभांस को जान सकेंगे।
- जनसंख्या के माल्थस और नवमाल्थस के सिद्धान्तों तथा अन्य सिद्धान्तों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- जनसंख्या वृद्धि और आर्थिक विकास तथा इसके प्रभाव को समझ सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- मिश्रा, जे0पी0, (2021). जनांकिकी, आगरा : साहित्य भवन पब्लिकेशन।
- मिश्रा, बी0डी0 (1995). एन इन्ट्रोडक्शन टू द स्टडी ऑफ पापुलेशन, दिल्ली : साउथ एशिया पब्लिशर्स प्रा0लि0।
- अग्रवाल, एस0एन0 (1986). इंडियाज पापुलेशन प्राब्लम, नई दिल्ली : टाटा मग्राहिल पब्लिशिंग कं0लि0।
- झिंगन, एम0एल0, नई दिल्ली : वृंदा पब्लिकेशन प्रा0लि0।

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) तृतीय
प्रश्न पत्र–चतुर्थ (वैकल्पिक) गाँधी अर्थनीति
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- गाँधी के विचार के तात्विक चिंतन की जानकारी देना।
- मार्क्स के साम्यवाद तथा गाँधी के सर्वोदय की जानकारी देना।
- गाँधी के नया मानव, नया समाज तथा नये संसार की कल्पना से अवगत कराना।
- गाँधी जी की तकनीकी सम्बन्धी अवधारणा की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- गाँधी के विचार के तात्विक चिंतन, गाँधी के स्वराज के विभिन्न आयाम, गाँधी जी के इक्कीस रचनातमक कार्यक्रम तथा भारतीय राष्ट्रीय एकता का संकल्प, गाँधी के सर्वोदय अर्थनीति का प्रारूप।

इकाई द्वितीय :–

- मार्क्स के साम्यवाद तथा गाँधी के सर्वोदय (साम्योद) का तुलनात्मक तात्विक चिंतन, विश्वकल्याण अर्थशास्त्री–गाँधी जी, विश्व की वर्तमान परिस्थितियों में गाँधी दर्शन की सार्थकता।

इकाई तृतीय :–

- नया मानव, नया समाज तथा नये संसार की कल्पना, ग्राम स्वराज और रामराज की कल्पना, निर्धनता, असमानता तथा बेरोजगारी का निराकरण, विनोबा भावे के भूदान–ग्रामदान सम्बन्धी विचार।

इकाई चतुर्थ :–

- गाँधी जी की तकनीकी सम्बन्धी अवधारणा तथा विकेन्द्रित अर्थव्यवस्था, गाँधी जी की श्रमनीति, गाँधी जी के ट्रस्टीशिप के सिद्धानत की सार्थकता, खादी के अर्थनीति तथा स्वदेशी अर्थशास्त्र, गाँधी जी का मशीन (यंत्र) सम्बन्धी विचार।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, समूह चर्चा विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- गाँधी के विचार के तात्विक चिंतन से अवगत हो सकेंगे।
- मार्क्स के साम्यवाद तथा गाँधी के सर्वोदय को जान सकेंगे।
- गाँधी के नया मानव, नाया समाज तथा नये संसार से अवगत हो सकेंगे।
- गाँधी जी के तकनीकी सम्बन्धी अवधारणा को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- चतुर्वेदी, डी0एन0 (1984) : गाँधी अर्थनीति, वाराणसी, श्यामा प्रकाशन।
- पाण्डेय, पी0के0 (2011) : गाँधी जी का आर्थिक एवं सामाजिक चिंतन, दिल्ली विश्वविद्यालय, हिंदी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय।
- Maharajan M. (2008) : Economic Thought of Mahatma Gandhi, Discovery Publication, Pvt. Ltd. New Delhi.
- पमिचा एस0, (2021) : महात्मा गांधी के आर्थिक विचार, हिमांशु पब्लिकेशन, नई दिल्ली।
- चौधरी, एस0के0 और मिश्रा और पटेल पी0एस0 (2021) : गांधी के आर्थिक विचार एवं नव भारत निर्माण, नई दिल्ली।
- पटेल, आर0 (2017) : महात्मा गांधी के आर्थिक सोच एवं विचार, रावत पब्लिकेशन, जयपुर।

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) तृतीय

प्रश्न पत्र–पंचम

वर्ष 2022–24

पूर्व के चारो पाठ्यक्रम पर आधारित असाइनमेंट / सेमिनार / सर्वेक्षण रिपोर्ट / प्रस्तुतीकरण / मौखिकी / प्रोजेक्ट (3)

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) चतुर्थ

प्रश्न पत्र–प्रथम (साधन कीमत सिद्धान्त एवं कल्याण का अर्थशास्त्र)

वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को साधन कीमत के सिद्धान्तों तथा लगान, मजदूरी और व्याज के सिद्धान्तों की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को आगत–निर्गत विश्लेषण तथा खेल सिद्धान्त की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को कल्याणकारी अर्थशास्त्र के महत्व व सिद्धान्त की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को नवकल्याणवादी तथा कल्याणवादी अर्थशास्त्र की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- साधन कीमत–परम्परावादी : सीमान्त–उत्पादकता सिद्धान्त और आधुनिक सिद्धान्त, योगशीलता की समस्या, यूलर का प्रमेय, लगान, मजदूरी, व्याज और लाभ का आधुनिक सिद्धान्त।

इकाई द्वितीय :–

- रेखीय प्रोग्रामिंग–अदा–प्रदा विश्लेषण, आगत–निर्गत आव्यूह, खेल सिद्धान्त। नैस संतुलन, कैदी दुविधा, शून्य संचय खेल (जीरो समगेम)।

इकाई तृतीय :–

- कल्याणवादी अर्थशास्त्र : एडम स्मिथ का कल्याणकारी सिद्धान्त, पीगु का विचार, बैंथम का उपयोगितावादी सिद्धान्त, पैरेटो, काल्डोर–हिक्स और साइटोवस्की का सिद्धान्त।

इकाई चतुर्थ :–

- वर्गुसन, सैम्युल्सन, समाज कल्याण फलन, द्वितीय सर्वोत्तम का सिद्धांत, लिटिल कल्याणकारी मानदंड, ऐरो का सम्भावना सिद्धान्त।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, चॉक और टॉक विधि, समूह चर्चा विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- साधन कीमत के परम्परावादी तथा आधुनिक सिद्धान्त को जान सकेंगे।
- रेखीय प्रोग्रामिंग, खेल सिद्धान्त को जान सकेंगे।
- कल्याणकारी अर्थशास्त्र के नये व पुराने सिद्धान्त को जान सकेंगे।
- विद्यार्थी समाज कल्याण फलन तथा कल्याणकारी मानदंड को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- आहूजा, एच0एल0, (2020). उच्चत्तर आर्थिक सिद्धांत, नई दिल्ली : एस0 चन्द्र पब्लिकेशन।
- सेठ, एम0एल0 (2016). व्यष्टि अर्थशास्त्र।
- झिंगन, एम0एल0, (2016). माडर्न माइक्रो इकोनामिक्स, नई दिल्ली : वृन्दा पब्लिकेशन प्रा0लि0।
- कोटस्यानिस, ए0 (2003), माडर्न माइक्रोइकोनामिक्स, यू0के0 : पल्ग्रेव मैकमिलन पब्लिकेशन।

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) चतुर्थ

प्रश्न पत्र–द्वितीय (आर्थिक विकास के सिद्धान्त)

वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को आर्थिक विकास और आर्थिक संवृद्धि का अर्थ तथा दोनों में अन्तर की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को विकास के संतुलित और असंतुलित विकास के सिद्धांत की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को कीन्स का विकास मॉडल, हैराड एवं डोमर के विकास मॉडल की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को आर्थिक विकास के कारण और व्यापार तथा विकास की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक विकास : अर्थ, परिभाषा और मापन, आर्थिक विकास के सूचक पी0क्यू0, एल0आई0, एच0डी0आई0, एस0डी0जी0एस0, गरीबी और असमानताएं, संकल्पना और मापन, सामाजिक क्षेत्र में विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, लिंग, आर्थिक संवृद्धि और आर्थिक विकास में अंतर, आर्थिक संवृद्धि के घटक : आर्थिक घटक, अनार्थिक घटक, आर्थिक विकास पर प्रभाव डालने वाले संस्थागत घटक, आर्थिक विकास के प्रतिष्ठित मॉडल : एडम स्मिथ, डेविड रिकार्डो के मॉडल और उनकी मान्यतायें, विशेषताएं एवं कार्ल मार्क्स का विकास मॉडल और उनकी अवस्थाएं, शुम्पीटर और रोस्टोव का आर्थिक विकास मॉडल।

इकाई द्वितीय :–

- संतुलित एवं असंतुलित विकास का सिद्धांत : संतुलित विकास का अर्थ, परिभाषा, प्रभाव, रोजेन्स्टीन रोडान का प्रबल प्रयास सिद्धान्त, रेगनर नर्कसे का सिद्धांत, असंतुलित विकास का सिद्धांत : हर्षमैन का असंतुलित विकास का सिद्धांत एवं मान्यतायें, हार्वे लेविन्स्टीन का क्रांतिक न्यूनतम प्रयास का सिद्धांत, लेविस मॉडल, फाई रेनिस मॉडल और नेल्सन मॉडल।

इकाई तृतीय :–

- कीन्स का विकास मॉडल, हैराड का विकास मॉडल व उनकी मान्यतायें, डोमर मॉडल व उसकी विशेषताएं, काल्डोर का मॉडल व उनकी मान्यतायें, श्रीमती जान राबिन्सन का वृद्धि मॉडल व मान्यतायें, स्वर्णयुग, नव प्रतिष्ठित सिद्धांत : सोलो का मॉडल, मुद्रा एवं संवृद्धि सिद्धांत, टोबिन एवं जानसन का सिद्धांत।

इकाई चतुर्थ :–

- आर्थिक विकास के कारक : प्राकृतिक संसाधन, जनसंख्या, पूँजी, मानवीय संसाधन, विकास और अधोसंरचना, व्यापार और विकास : व्यापार विकास का इंजन, द्वैत अन्तराल, प्रेविस सिंगर और मिर्डल दृष्टिकोण, अल्पविकसित राष्ट्र और व्यापार से लाभ।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, समूह चर्चा विधि और प्रस्तुतीकरण विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- आर्थिक संवृद्धि व आर्थिक विकास का अर्थ और इसमें अन्तर तथा इसके घटक की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- संतुलित व असंतुलित विकास के सिद्धांत का अर्थ, प्रभाव की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- कीन्स के विकास मॉडल, हैरड–डोमर का मॉडल एवं अन्य मॉडलों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- आर्थिक विकास के कारक, व्यापार और विकास के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- झिंगन, एम0एल0 (2016). विकास का अर्थशास्त्र एवं आयोजन, नई दिल्ली : वृन्दा पब्लिशिंग प्रा0लि0।
- मिश्रा, जे0पी0 (2015). आर्थिक विकास एवं नियोजन, आगरा : साहित्य भवन पब्लिकेशन।
- लाल, एस0एन0 (2019). विकास का अर्थशास्त्र, प्रयागराज : शिव पब्लिकेशन।
- सिंह, एस0पी0 (2010). आर्थिक विकास एवं नियोजन, नई दिल्ली : एस0 चन्द पब्लिकेशन।

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) चतुर्थ
प्रश्न पत्र–तृतीय (वैकल्पिक) सांख्यिकी
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- अर्थव्यवस्था के मापक के रूप में निर्देशांकों की जानकारी देना।
- विभिन्न मापों में सम्बन्धों की जानकारी देना।
- सांख्यिकी समंकों का प्रस्तुतीकरण एवं मूल्यांकन की जानकारी देना।
- सूचकांक और प्रतिदर्श के विषय में जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- सांख्यिकी की परिभाषा, सीमाएं एवं महत्व, रेखाचित्र, आयत चित्र, केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप : माध्य, मध्यिका, बहुलक, अपकिरण की मापें : विस्तार, अन्तर चतुर्थक, माध्य, विचलन, प्रमाप, विचलन एवं लोरेंज वक्र, चतुर्थक विचलन।

इकाई द्वितीय :–

- विषमता : विषमता की जांच, विषमता का प्रथम माप, कार्ल पियर्सन का विषमता गुणांक, विषमता का द्वितीय माप या बाउले का विषमता गुणांक।

इकाई तृतीय :–

- सहसम्बन्ध : सहसम्बन्ध के प्रकार, अर्थ, परिभाषा, महत्व, कार्ल पियर्सन का सहसम्बन्ध गुणांक, स्पियरमैन का कोटि सहसम्बन्ध गुणांक, प्रतिपगमन विश्लेषण, सहसम्बन्ध एवं प्रतिपगमन के मध्य अन्तर।

इकाई चतुर्थ :–

- सूचकांक : परिभाषा, प्रकार, रचना, लास्प्रे, पाश्चे, फिशर का सूचकांक, उत्क्रम्यता परीक्षण, प्रतिदर्श : गणना विधि, प्रतिदर्श के प्रकार एवं काल श्रेणी विश्लेषण।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, चॉक और टॉक विधि, सर्वेक्षण और प्रस्तुतीकरण।

अधिगम प्रतिफल :–

- विद्यार्थी सांख्यिकी की परिभाषा, सीमाएं, केन्द्रीय प्रवृत्ति की माप तथा अपकिरण की माप के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी विषमता की विभिन्न माप तथा इसके गुणांक के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी सहसम्बन्ध, प्रतिपगमन तथा सहसम्बन्ध गुणांक के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- विद्यार्थी सूचकांक की परिभाषा, प्रकार तथा उत्क्रमता परीक्षण के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- सिंह, एस0पी0, (2016). साख्यिकी के सिद्धांत, नई दिल्ली : एस0 चन्द्र पब्लिकेशन।
- Agrawal, D.R. (2012). Quantitative Methods, Delhi : Vrinda Publication.
- Sharma, J.K. (2015). Quantitative Methods, Theory of Application, Mac Millan Publishers India Ltd.
- Shukla, S.M. and Sahai, S.P. (2019). Sankhikiya Vishleshan, Agra : Sahitya Bhawan Publication.
- Asthan, B.M. (2020) : Sankhikiya Ke Saral Siddhant, New Delhi, S. Chand.

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) चतुर्थ

प्रश्न पत्र–तृतीय (वैकल्पिक) विकासशील देशों का अर्थशास्त्र

वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को विकासशील देशों तथा उनमें पूँजी निर्माण की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को बेरोजगारी के विभिन्न रूप तथा उनकी समस्या, समाधान से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को पूँजी निर्माण की प्रमुख समस्यायें और समाधान से अवगत कराना।
- विद्यार्थियों को आर्थिक नियोजन से अवगत कराना।

इकाई प्रथम :–

- विकासशील देशों की परिभाषा, लक्षण, आर्थिक एवं सामाजिक संरचना, आर्थिक विकास के निर्धारक तत्व, पूँजी निर्माण, जनसंख्या, बचत व विनियोग की प्रवृत्तियाँ, उत्पादन की प्रकृति तथा आर्थिक विकास की प्रक्रिया।

इकाई द्वितीय :–

- जनसंख्या और पूँजी निर्माण, बेरोजगारी के विभिन्न रूप और उनका निराकरण, अदृश्य बेरोजगारी की समस्या तथा पूँजी निर्माण के लिए गतिशील करने की समस्या, औद्योगीकरण और पूँजी निर्माण, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र का महत्व।

इकाई तृतीय :–

- पूँजी निर्माण की प्रमुख समस्याएँ, सिद्धान्त एवं कार्यान्वयन बचत संचालन की समस्याएँ, घाटे की वित्त व्यवस्था और पूँजी निर्माण, मौद्रिक नीति, वित्तीय नीति, मूल्य नीति, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार नीति, आयात और निर्यात की समस्यायें और महत्व।

इकाई चतुर्थ :–

- आर्थिक नियोजन : सिद्धान्त और व्यवहार, प्राथमिकता की समस्या, साधनों की समस्या, विदेशी पूँजी का महत्व : समस्याएँ तथा विदेशी ऋण व अनुदान का महत्व।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, चाक और टॉक विधि, समूह चर्चा विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- विकासशील देशों तथा उनमें पूँजी निर्माण प्रक्रिया को जान सकेंगे।
- बेरोजगारी के विभिन्न रूप तथा उनकी समस्या का समाधान कर सकेंगे।
- पूँजी निर्माण प्रक्रिया की समस्याओं का समाधान कर सकेंगे।
- आर्थिक नियोजन को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- सिन्हा, वी0सी0 (1986) : श्रम अर्थशास्त्र, नई दिल्ली : नेशनल पब्लिशिंग हाऊस।
- सिंह, एस0के0, (2017) : अल्पविकसित राष्ट्रों का अर्थशास्त्र, ग्रीन लीफ पब्लिकेशन, वाराणसी।
- मिश्रा, जे0पी0 (2022) : अल्पविकसित देशों का अर्थशास्त्र, साहित्य भवन पब्लिकेशन, आगरा।
- वर्मा, जी0एस0 (2021) : भारतीय अर्थव्यवस्था, यूनिक पब्लिकेशन प्रा0लि0, नई दिल्ली।
- गुप्ता, एस0एन0 (2012) : अल्पविकसित देशों का अर्थशास्त्र, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा।
- Gupta, G.S. (1999) : Theory of Economics Growth and Economic Planning in India, College Book Deepo, Jaipur.

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) चतुर्थ
प्रश्न पत्र–तृतीय (वैकल्पिक) विपणन का अर्थशास्त्र
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को विपणन के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को विपणन के कार्यों के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को विपणन की प्रक्रिया के बारे में जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को विपणन के समस्या और निदान की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- अर्थ, परिभाषा, क्षेत्र एवं महत्व। बाजार का अर्थ, विकास और वर्गीकरण।

इकाई द्वितीय :–

- विपणन का विभिन्न दृष्टिकोण से अध्ययन, संस्था, कार्य व वस्तु के दृष्टिकोण से विपणन कार्यों का विश्लेषण।

इकाई तृतीय :–

- विपणन प्रक्रिया : क्रय–विक्रय, यातायात, संग्रहण, पैकिंग, प्रमापीकरण और क्षेत्रीकरण वित्त व्यवस्था।

इकाई चतुर्थ :–

- विक्रय सम्बन्ध और विज्ञापन, जोखिम वहन, बाजार सूचना और विपणन शोध, विपणन कार्यों में सुधार, विपणन लागत की समस्या, विपणन के मार्ग।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, समूह चर्चा विधि, व्यक्तिक अध्ययन विधि और प्रस्तुतीकरण विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- विपणन का अर्थ, वर्गीकरण एवं महत्व के बारे में जान सकेंगे।
- विपणन के विभिन्न दृष्टिकोण एवं उसके कार्यों के बारे में जान सकेंगे।
- विपणन की प्रक्रिया, श्रेणीकरण और वित्त व्यवस्था के बारे में जान सकेंगे।
- विपणन की प्रक्रिया, समस्या और निदान के बारे में जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- जैन, पी0सी0 (2001) : "विपणन शोध प्रबंध", रमेश बुक डिपो, जयपुर।
- भद्दा, बी0एम0 एवं पोरवाल, बी0एल0 (1982): 'विपणन प्रबंध के सिद्धांत एवं व्यवहार", रमेश बुक डिपो, जयपुर।
- जैन एस0सी0 (1983): "विपणन के तत्व तथा विक्रय कला", साहित्य भवन पब्लिशिंग कम्पनी, इन्दौर।
- जैन, एस0सी0 (1984): "विपणन प्रबंध", साहित्य भवन, आगरा।
- कुमार, जे0आर0 एवं अग्रवाल, जी0सी0 (1990): "विपणन प्रबंध', किताब महल, इलाहाबाद।
- Enis Ben, M. (1977): "Marketing Principles", Goodyear Publishing Company, Santa Monica, California.
- Francis, Geoffery k. (1978): "modera marketing management", S. Chand & Co, New Delhi.
- Hussain, S.A. (1937) : "Agricultural Marketing in Northern India", Allen and Unwin Ltd., London.
- Robinson, Gay m. (1988): "Agricultural Change", North British Publication, Edinburgh.

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) चतुर्थ
प्रश्न पत्र–चतुर्थ (वैकल्पिक) औद्योगिक अर्थशास्त्र
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को उद्योग की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को वैश्वीकरण और औद्योगिक विकास की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को भारतीय औद्योगीकरण, इसके मुद्दे और नीतियों की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को औद्योगिक विवाद और श्रम समस्याओं से अवगत कराना।

इकाई प्रथम :–

- उद्योग का ऐतिहासिक विकास : आर्थिक विकास में उद्योग की भूमिका के सैद्धान्तिक परिप्रेक्ष्य, औद्योगीकरण की क्रमागत उन्नति, विश्व युद्ध के दौरान औद्योगिक विकास।

इकाई द्वितीय :–

- वैश्वीकरण और औद्योगिक विकास : औद्योगीकरण का आधुनिक इतिहास, चुने हुए राष्ट्रों का औद्योगिक विकास : यू0एस0ए0, जापान, कोरिया, चीन और अन्य उभरते क्षेत्र, विश्व व्यापार संगठन और औद्योगिक विकास।

इकाई तृतीय :–

- भारतीय औद्योगीकरण : मुद्दे और चुनौतियां, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था के बीच वाद–विवाद, औद्योगिक विकास के विकल्प, औद्योगिक नीति के बदलते दृष्टिकोण, भारत के औद्योगिक विकास की समस्यायें और चुनौतियां।

इकाई चतुर्थ :–

- औद्योगिक सम्बन्ध, औद्योगिक विवाद और श्रम समस्यायें : औद्योगिक विवाद : कारण और उपचार, श्रमिक संघ और भारतीय उद्योग में श्रम से सम्बन्धित समस्यायें, औद्योगिक श्रमिक की सामाजिक सुरक्षा के उपाय, औद्योगिक रूग्णता, निकास नीति।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, समूह चर्चा विधि, व्यक्तिक अध्ययन विधि और प्रस्तुतीकरण विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- उद्योग के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
- वैश्वीकरण और औद्योगिक विकास को जान सकेंगे।
- भारतीय औद्यौगीकरण व उसके मुद्दे व नीतियों को जान सकेंगे।
- औद्योगिक विवाद और श्रमिकों की समस्याओं को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- बर्थवाल, आर0आर0 (2006), इंडस्ट्रीयल इकोनॉमिक्स, नई दिल्ली : विल्ली इस्टर्न लि0।
- देसाई, बी0 (1999). इंडस्ट्रीयल इकोनॉमी इन इंडिया, मुम्बई : हिमालया पब्लिशिंग हाऊस।
- सिंह, एस0ए0 & साधु, ए0एन0 (1988), इंडस्ट्रीयल इकोनामिक्स, मुम्बई : हिमालय पब्लिशिंग हाऊस।

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष
अधिसत्र (सेमेस्टर) चतुर्थ
प्रश्न पत्र–चतुर्थ (वैकल्पिक) पर्यावरण का अर्थशास्त्र
वर्ष 2022–24

उद्देश्य :–

- विद्यार्थियों को अर्थव्यवस्था एवं पर्यावरण के बीच सम्बन्धों की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को कृषि, उद्योग एवं पर्यावरण की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को पर्यावरणीय अर्थशास्त्र के मूल सिद्धान्तों की जानकारी देना।
- विद्यार्थियों को सम्पोषी आर्थिक विकास की जानकारी देना।

इकाई प्रथम :–

- पर्यावरण का अर्थशास्त्र : अर्थ, क्षेत्र व इसके कारक, अर्थव्यवस्था एवं पर्यावरण के बीच सम्बन्ध, पर्यावरण व आर्थिक पद्धतियाँ, भौतिक संतुलन प्रतिरूप, पर्यावरणीय उपयोगी अवकाश, ऊर्जा, व्यापार व पर्यावरण।

इकाई द्वितीय :–

- कृषि एवं पर्यावरण, उद्योग एवं पर्यावरण, सेवा क्षेत्र व पर्यावरण का मानवीय गतिविधियों पर प्रभाव।

इकाई तृतीय :–

- पर्यावरणीय अर्थशास्त्र का मूल सिद्धांत : बाजार असफलता का आशय, वाह्यताएं, वाह्यताओं के प्रकार, वाह्यताओं का मापन, पूर्ण प्रतियोगिता एवं वाह्यताएं, पारिस्थितिकीय एवं अर्थशास्त्र।

इकाई चतुर्थ :–

- सम्पोषी आर्थिक विकास : एक आर्थिक स्वरूप, गैर नवीनकरणीय संसाधनों का क्षरण, निःशेष संसाधनों का अर्थशास्त्र, वानिकी व सम्पोषी विकास, जैव विविधता एवं संरक्षित क्षेत्र।

शिक्षण रणनीतियाँ :–

- व्याख्यान विधि, समूह चर्चा विधि।

अधिगम प्रतिफल :–

- अर्थव्यवस्था और पर्यावरण के बीच सम्बन्धों को जान सकेंगे।
- कृषि उद्योग एवं पर्यावरण को जान सकेंगे।
- पर्यावरणीय अर्थशास्त्र के मूल सिद्धान्तों को जान सकेंगे।
- सम्पोषी आर्थिक विकास को जान सकेंगे।

संदर्भ सूची :–

- वेंकटेश्वरन, एस0 (1995) : इनवायरमेंट, डेवलपमेंट एण्ड दी जेण्डर गैप।
- हेमपेल, एल0 : इनवायरमेंटल इकोनामिक्स।
- कोल्टाड, सी0डी0 : इनवायरमेंटल इकोनामिक्स।
- हेनले, एन0 : इनवायरमेंटल इकोनामिक्स इन थियोरी एण्ड प्रैक्टिकल।
- मिश्रा, जे0पी0 (2010) : विकास और पर्यावरण अर्थशास्त्र, आगरा, साहित्य भवन पब्लिकेशन।
- सिन्हा, वी0सी0 (2012) : आर्थिक विकास, आगरा, साहित्य भवन पब्लिकेशन।
- सिंह, के0 एण्ड शिशोदिया, ए0 (2007) : पर्यावरण अर्थशास्त्र

एम0ए0 अर्थशास्त्र द्वितीय वर्ष

अधिसत्र (सेमेस्टर) चतुर्थ

प्रश्न पत्र–पंचम

वर्ष 2022–24

लघु शोध प्रबन्ध / पूर्व के चारो पाठ्यक्रम पर आधारित असाइनमेंट / सेमिनार / सर्वेक्षण रिपोर्ट / प्रस्तुतीकरण / मौखिकी